

मोड्यूल 16 : नवजात शिशु की देखभाल में अंतिम कदम

सत्र 4 : माँ तथा नवजात शिशु के रिकार्डों की समीक्षा

दिवस : 2

समयावधि : 2 घं. (यदि माँ एक डॉक्टर)

आपका लक्ष्य है कि छात्रों को

आपका लक्ष्य है कि छात्रों को

प्रयोजन

आशाओं ने अब तक गर्भावस्था फॉर्म पुस्तिका, माँ तथा नवजात शिशु रिकार्ड पुस्तिका, पूरक फॉर्म पुस्तिका, माता पिता के लिए जानकारी पत्र की पुस्तिका से अलग अलग रिकार्डों का प्रयोग करने का अभ्यास किया है। अंतिम प्रशिक्षण के इस सत्र में सारे नवजात रिकार्डों की समीक्षा की जाएगी जिससे आशा के मन में यदि किसी रिकार्ड के बारे में कोई संदेह हो तो दूर हो जाएगा कि छात्रों में डाक्टरों के रिकार्डों के प्रयोग में सक्षम हो सकें।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशाओं में निम्न योग्यताएँ आएँगी:

1. नवजात शिशुओं तथा माताओं को उत्तम सेवाएँ देने हेतु रिकार्डों का ठीक प्रकार से प्रयोग।
2. घरों के दौरे के समय आशा के कार्यों का क्रम बताना।

सामग्री

- गर्भावस्था फॉर्म पुस्तिका
- माँ तथा नवजात शिशु रिकार्ड (प्रसव फॉर्म, नवजात शिशु की पहली जाँच: फॉर्म, घरों का दौरा फॉर्म, नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवा मूल्यांकन फॉर्म, निदान तथा उपचार सारांश)
- पूरक फॉर्म पुस्तिका (अधिक खतरे वाले शिशुओं का घरों का दौरा फॉर्म, घरों का दौरा फॉर्म: दूसरा महीना, स्तनपान संबंधी समस्या: उपचार फॉर्म, हाइपोथर्मिया उपचार फॉर्म, सेप्सिस उपचार फॉर्म)
- माता-पिता के लिए जानकारी प्रपत्र पुस्तिका (शिशु जन्म के पूर्व तथा पश्चात माँ क्या कदम उठाये, अधिक खतरे वाले शिशु जानकारी पत्र, खतरे के लक्षण जानकारी पत्र)
- अस्पताल भेजने के लिए पर्ची पुस्तिका
- अध्ययन पत्र 1: घरों के दौरे पर आशा के कार्यों का क्रम।
- अभ्यासपत्र 1: अलग अलग स्थितियों की सूची
- प्रशिक्षक प्रपत्र 1: अभ्यासपत्र 1 के उत्तर

तैयारी

- उपर्युक्त सभी फॉर्म तथा पुस्तिकाएँ पर्याप्त मात्रा में तैयार रखें। आशा से कहें कि उसे दी गयी अध्ययन सामग्री साथ लाएँ।

प्रस्तुति, समीक्षा एवं चर्चा (1 घंटा 10 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव:

1. संक्षेप में बतायें कि अब आशा नवजात शिशु की देखभाल करना पूरी तरह सीख चुकी है और नवजात शिशुओं को सेवा देने में सक्रिय हैं। अतः नवजात शिशु तथा माँ को दी जा रही सभी सेवाओं का

लेखा-जोखा उसे रखना है।

2. माँ तथा नवजात शिशु वाले फॉर्म (प्रसव वाला फॉर्म, शिशु की पहली जाँच फॉर्म, घरों का दौरा फॉर्म, नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवा मूल्यांकन फॉर्म, निदान तथा उपचार सारांश) की एक प्रति प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को बाँट दें।
3. गर्भावस्था फॉर्म से शुरू करें और बतायें कि इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।
4. आशाओं से अभ्यास पुस्तिका 1 में दिये गये प्रसव फॉर्म को तथा माँ एवं नवजात शिशु फॉर्म में दिये गये प्रसव फॉर्म को देखने को कहें। आशाओं से कहें कि वे माँ एवं नवजात शिशु फॉर्म में देखें कि क्या नई जानकारी को जोड़ा गया है। यही फॉर्म का प्रयोग आशाएँ गाँव में कर रही हैं। समझाएँ कि शुरुआती प्रशिक्षण कार्यशालाओं के बाद आशाएँ प्रसव में उपस्थित होना तथा प्रसव का निरीक्षण करना सीख रही थी। अब आशाएँ यह भी जानती हैं कि जन्मतेही दम घुटे शिशु का पुनरुज्जीवन कैसे करना है। अब वे यह भी पहचानती हैं कि जन्मतेही शिशु सामान्य है या उसका दम घुटा है। यदि दम घुटे शिशु का पुनरुज्जीवन नहीं किया जा सकता तो वह 'मृत शिशु जन्म' कहलाता है।

उदाहरण:

- प्रश्न 9ब में तीन विकल्प दिये गये हैं – सामान्य / दम घुटा शिशु / देर का मरा
यदि शिशु का पुनरुज्जीवन किया गया हो तो इस जानकारी को प्रश्न 9क में लिखना है।
 - पुनरुज्जीवन का क्या परिणाम हुआ, शिशु जीवित है या मृत शिशु जन्म इस जानकारी को प्रश्न 9ड में लिखना है।
5. नवजात शिशु की पहली जाँच: फॉर्म की समीक्षा करें।
 - फॉर्म के भाग 1 को देखें। प्रश्न नंबर 6 में एक खाना जोड़ा गया है जिसमें बताया गया है कि यदि स्तनपान की समस्या है, तो क्या करना है। पिछली प्रशिक्षण कार्यशाला में वे यह सीख चुकी हैं कि स्तनपान संबंधी समस्या के लिए क्या कदम उठाने हैं। यहाँ आशा को लिखना है कि उसने कोई कदम उठाये या नहीं।
 - फॉर्म के भाग 2 को देखें। प्रश्न नंबर 1 में आशा को शिशु के शरीर का तापमान लिखना है। यदि तापमान 97° फ़ै. (36.1° सें) से कम है तो शिशु को गर्म करने के उपाय करने हैं।
 - प्रश्न नं. 5 में आशाओं को लिखना है कि क्या शिशु के हाथ पैर लुंज पुंज है, रोना कमजोर या बंद है तथा दूध पीना कमजोर या बंद है।
 - प्रश्न 5 के नीचे खाने में अधिक खतरे वाले शिशु का निदान तथा उपचार के बारे में जानकारी है। आशाओं ने अब तक ऐसे शिशुओं की देखभाल की है और इस काम का अच्छा अभ्यास किया है। प्रशिक्षक इस खाने के प्रत्येक बिंदु को पढ़ें और समझाएँ।
 6. घरों का दौरा फॉर्म की समीक्षा करें। आशाओं को क्या कार्य करने है इस बारे में जानकारी इस नये फॉर्म में दी गई है। एक एक करके सारे कार्यों को समझाएँ। आशाओं के कोई सवाल हो तो पूछें। चर्चा के लिए पर्याप्त समय दें। आशाओं को याद दिलाएँ कि सेप्सिस निदान के भाग में पहले दिन की जानकारी को शिशु की पहली जाँच फॉर्म से नकल करना है। आशाओं को समझाएँ कि 42 वें दिन के घर के दौरे के बाद यह फॉर्म पूरा हो जाता है। शिशु 2 महीने का होने तक यह फॉर्म आशा के पास ही रहें। इस

दौरान यदि शिशु को कोई समस्या है और आशा को बुलाया जाता है, तो आशा शिशु का उपचार करें और दौरे की जानकारी इसी फॉर्म में अन्य दिन के कालम में भरें।

7. माँ तथा नवजात शिशु वाले फॉर्म के अंत में नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवा मूल्यांकन फॉर्म देखें। सब विषयों को एक एक कर के पढ़ें। देखभाल किये हुये माँ-बच्चे के बारे में जानकारी आशा इस फॉर्म में भरें। यह फॉर्म उसी महीने में पूरा किया जाना चाहिए जिस में सेवाएँ दी गयीं। प्रत्येक प्रश्न जोर से बोल कर पढ़ें, तथा उदाहरण दें, जिससे हर आशा यह समझ जाये कि उत्तर कैसे देने हैं। सुपरवाइजर खुद भी इस फॉर्म को पूरा करें। इस फॉर्म को भरने के लिए आवश्यक जानकारी इसी फॉर्म में दी गयी है। जिन कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं को उनके कार्य के अनुसार पारिश्रमिक दिया जाता है, वहाँ इस फॉर्म का प्रयोग पारिश्रमिक के निर्धारण में किया जायेगा।
8. पूरक फॉर्म की पुस्तिका में दिये गये अन्य फॉर्म हैं: अधिक खतरे वाले शिशु: घरों का दौरा फॉर्म, घरों का दौरा फॉर्म: दूसरे महीने का दौरा, स्तनपान संबंधी समस्या: उपचार फॉर्म, हाईपोथर्मिया उपचार फॉर्म और सेप्सिस उपचार फॉर्म।
9. आशाओं से कहें कि वे माता-पिता के लिए जानकारी प्रपत्रों वाली पुस्तिका के बारे में बताने को कहें। इस पुस्तिका में तीन प्रकार के प्रपत्र हैं:
 1. माँ द्वारा शिशु के जन्म से पूर्व तथा पश्चात् उठाये जाने वाले कदम (सभी गर्भवती महिलाओं को सातवें महीने वाले घर के दौरे के समय दिया जायेगा)।
 2. खतरे के लक्षण: जानकारी प्रपत्र। विषय-वस्तु की समीक्षा करें।
 3. अधिक खतरे के लक्षणों वाले शिशु: जानकारी प्रपत्र (अधिक खतरे के लक्षणों वाले शिशुओं के माता-पिता को दिया जायेगा)।
 बतायें कि दूसरा प्रपत्र प्रसव के पश्चात् दूसरे दिन परिवार को दिया जाना है जब आशा शिशु की जांच के लिए आयेगी, तथा माँ एवं परिवार के लोगों को स्वास्थ्य शिक्षा देगी। आशा नवजात शिशु की जांच के लिए जाते समय प्रत्येक बार माता-पिता से इस प्रपत्र में दिए गए खतरे के लक्षणों की चर्चा करें। तीसरा प्रपत्र अधिक खतरे के लक्षणों वाले शिशुओं के माता-पिता को दूसरे दिन दिया जायेगा। प्रपत्रों में दी गई जानकारी की चर्चा आशा माता-पिता से करें।
10. आशाओं से कहें कि वे अध्ययनपत्र में दिए गए, घरों के दौरे के समय आशा के कार्यों के क्रम को देखें। पहले आशाओं को उनके कार्यों का अलग क्रम से दिया गया था। अब आशा नवजात शिशु की पूरी देखभाल कर रही है इसलिए इन कार्यों के क्रम को बदला गया है। आशाओं के साथ इस सूची की समीक्षा करें और कुछ समस्या हो तो उनका समाधान करें।
11. निदान तथा उपचार सारांश वाला फॉर्म देखें। बताएं कि नवजात शिशु तथा माँ के लिए भरे गये फॉर्मों में से यह जानकारी मिल जायेगी। एक एक करके सभी विषय पढ़ते जाये और आशा से पूछते जाये कि जानकारी किस फॉर्म में उपलब्ध है। फॉर्म देखकर उन्हें उत्तर देने को कहें। आशा को फॉर्म के बारे में जानकारी होनी चाहिए। यद्यपि फॉर्म में दी गयी जानकारी सुपरवाइजर द्वारा भरी जानी है।
12. आशा से पूछें कि नवजात शिशु की घरेलू देखभाल हेतु कौन कौन सी सूचियाँ, फॉर्म तथा प्रपत्र प्रयोग किए जाते हैं। आशा की सहायता से इसकी एक सूची ब्लैक बोर्ड पर बनाएँ। सूची में निम्न बातें सम्मिलित होनी चाहिए:

13. आशाओं से कहें कि वे अस्पताल भेजने की पर्ची को देखें। पिछले सत्र में ही इसकी चर्चा हुई है। कुछ समस्या हो तो आशाओं को पूछें।

रजिस्टर:

1. गाँव की गर्भधारण योग्य महिलाओं की सूची
2. गर्भवती महिलाओं की सूची

गर्भावस्था फॉर्म पुस्तिका:

1. गर्भावस्था फॉर्म

हर घर में माँ तथा नवजात शिशु की देखभाल का रिकार्ड:

1. प्रसव फॉर्म
2. नवजात शिशु की पहली जाँच: फॉर्म
3. घरों का दौरा: फॉर्म
4. नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवा मूल्यांकन फॉर्म
5. निदान तथा उपचार सारांश

पूरक फॉर्म पुस्तिका:

1. घरों का दौरा फॉर्म: अधिक खतरे वाले शिशु
2. घरों का दौरा फॉर्म: दूसरे महीने का दौरा
3. स्तनपान संबंधी समस्याएँ उपचार फॉर्म
4. हाईपोथर्मिया उपचार फॉर्म
5. नवजात शिशु सेप्सिस उपचार फॉर्म

माता-पिता के लिए जानकारी पत्र:

1. शिशु जन्म से पहले तथा बाद में माँ द्वारा उठाये जाने वाले कदम
2. खतरे के लक्षण: जानकारी पत्र
3. अधिक खतरे के लक्षण वाले शिशु: जानकारी पत्र

अस्पताल भेजने के लिए पर्ची

1. नवजात शिशु को अस्पताल भेजने के लिए पर्ची
2. माँ को अस्पताल भेजने के लिए पर्ची

समूह में अभ्यास (40 मि.)

1. आशाओं के 5-5 के समूह बनाएँ।
2. प्रत्येक आशा फॉर्म, रजिस्टर, जानकारी प्रपत्र तथा अस्पताल भेजने के लिए पर्ची पुस्तिका का अपना पूरा सेट लेकर समूह में शामिल हो।
3. प्रत्येक समूह को अभ्यासपत्र 1: अलग अलग स्थितियों की सूची की एक-एक कापी दें।
4. अभ्यासपत्र से एक-एक स्थिति की चर्चा समूह में हो।
5. सूची में दिए गए प्रत्येक स्थिति के लिए कौनसे रिकार्ड या फॉर्म का प्रयोग किया जाएगा यह प्रत्येक आशा निश्चित करें।

6. प्रत्येक आशा ने चयन किये फॉर्म या रिकार्ड पर समूह में चर्चा हो और अंतिम निर्णय अभ्यासपत्र में लिखें।
7. प्रशिक्षक कमरे में घूम घूमकर देंखें तथा किसी की कोई समस्या हो तो सहायता हर्ऐ।

सारांश (10 मि.)

- आशा से सत्र में बताई गयी मुख्य बातों की समीक्षा करने को कहें।
- यदि कुछ शेष रह गया हो तो बतायें तथा गलतियों को सुधारें।
- आशा की उनके अच्छे कार्य के लिये प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
नवजात शिशुओं तथा माताओं को उत्तम सेवाएँ देने हेतु रिकोर्डों का ठीक प्रकार से प्रयोग	समूह में अभ्यास	प्रत्येक समूह द्वारा पूरा किया गया अभ्यासपत्र ।